GENIUS HIGH SCHOOL - BHONGIR

Sub: Hindi Class: VII Marks: 10

I. निम्न लिखित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [5M]

वह नीम के पेड़ों की घनी छाँव से होता हुआ सियार की कहानी का मज़ा लेता आ रहा था। हिलते-डुलते उसका बस्ता दोनों तरफ़ झूमता-खनकता था। सलेट कभी छोटी शीशी से टकराती तो कभी पेंसिल से। यों वे सब उस बस्ते के अंदर टकरा रहे थे। मगर वह न कुछ सुन रहा था, न कुछ देख रहा था। उसका पूरा ध्यान कहानी पर केंद्रित था। कैसी मज़ेदार कहानी! कौए और सियार की।

सियार कौए से बोला—"प्यारे कौए, एक गाना गाओ न, तुम्हारा गाना सुनने के लिए तरस रहा हूँ।" कौए ने गाने के लिए मुँह खोला तो रोटी का टुकड़ा ज़मीन पर गिर पड़ा। सियार उसे उठाकर नौ दो ग्यारह हो गया।

1. वह कहाँ से गुज़र रहा था?
2. सलेट किस-किस को टकराती थी?
3. अप्पू का पूरा ध्यान किस पर था?
4. कहानी का नाम क्या था?
5. सियार कौए से क्या बोला?

II. निम्न लिखित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [5M]

निरंतर बढ़ती आबादी व लोगों की निजी वाहनों के प्रति चाहत के कारण सड़कों पर वाहनों का आना-जाना अत्यधिक बढ़ता जा रहा है। कई बार थोड़ी-सी दूरी तय करने के लिए भी घंटों सड़कों पर ही खड़े रहना पड़ता है। इसी असुविधा से निबटने हेतु मेट्रो रेल को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह अत्यधिक तेज़ चलने वाली व सुविधापूर्ण रेल व्यवस्था है। यह सड़कों से काफी ऊँचाई पर पुलों पर या धरती में सुरंगों में बिछाए गए पटरियों के जाल पर चलती है। इस रेल के सभी डिब्बे इलैक्ट्रॉनिक पद्धति से बंद होते हैं तथा खुलते हैं। साफ़-सफ़ाई का इसमें अत्यधिक ध्यान रखा जाता है। इसमें गंतव्य के प्रत्येक स्थान हेतु आवश्यकतानुसार निर्देश दिए जाते हैं। इस रेल में सफ़र करने से धन व समय दोनों की बचत होती है। लोगों को भी चाहिए कि इन रेलों का भरपूर आनंद उठाते हुए इन्हें कभी गंदा न करें, इसमें प्रयुक्त इलैक्ट्रॉनिक पद्धति को कोई नुकसान न पहुँचाए। यदि कहीं पर कोई टूट-फूट या खराबी देखें तो तुरंत संबंधित अधिकारी को सूचित करें।

1. मेट्रो रेल की व्यवस्था कैसी है?
2. मेट्रो रेल कहाँ चलती है?
3. मेट्रो रेल में सफ़र करने से क्या होता है?
4. कहीं पर कोई टूट-फूट देखें तो किन्हें सूचित करना चाहिए?
5. किस असुविधा को निबटने हेतु मेट्रो रेल को बढ़ावा दिया गया है?